# “कोविदार”

## डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 मार्च–31 मार्च, 2026 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 09 | पृष्ठः 08



**संरक्षक**

**कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह**
कुलपति

**प्रकाशक**
**श्री विनय कुमार सिंह**
कुलसचिव

**संपादक**
**डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी**
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

**सम्पादकीय मण्डल**
**डॉ. राज नारायण पाण्डेय**
**डॉ. अनुराग सिंह**
**श्री क्षितिज द्विवेदी**

**संकलन एवं सम्पादन**
**निलेश्वर पाण्डेय, दीपगोपाल मिश्र, निहारिका सिंह, हंसिका सहदेव, शिवांग चतुर्वेदी, गरिमा द्विवेदी, सुशील पाल, जिज्ञाशा तिवारी, अदिति पाठक।**

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।
Avadhuniversity@gmail.com


## अवध विश्वविद्यालय की पहलः महिला शरणालय में जरूरतमंदों को बांटी राहत सामग्री

# कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने शरणालय की महिलाओं व बच्चों को दिया संबल

अयोध्या, 20 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा राजभवन के निर्देशानुसार गोद लिए गए राजकीय महिला शरणालय, भीखापुर (महिला कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ) में आवासित महिलाओं एवं बच्चों को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने स्वयं उपस्थित होकर सामग्री प्रदान की और विश्वविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहयोग पहुंचाना भी है। शरणालय को गोद लेना हमारी सामाजिक सहभागिता और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदान की गई सामग्री महिलाओं के स्वावलंबन तथा बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को ध्यान में रखकर दी गई है, जिससे उनके जीवन को सुगम और बेहतर बनाया जा सके।

वितरित वस्तुओं में सिलाई मशीन, बच्चों की कुर्सी, सेंटर टेबल, शिक्षण उपकरण, खिलौने, स्टोरी बुक्स, फुटबॉल, व्हाइट बोर्ड, बोर्ड मार्कर, क्रेयॉन कलर्स, पेंसिल बॉक्स, पेंसिल पैकेट, स्टील के गिलास, प्लेट्स, कटोरे, बच्चों की चप्पलें तथा दूध की बोतलें शामिल हैं।

**अवध विवि के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह महिला शरणालय, भीखापुर में महिलाओं व बच्चों को सामग्री वितरित करते हुए। मौके पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल व अन्य उपस्थित रहे।**

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहना हम सभी का कर्तव्य है। वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल ने नारी सशक्तिकरण को राष्ट्र की नींव बताया। इस अवसर पर डॉ. दिनेश कुमार सिंह, गिरीश पंत, स्वतंत्र त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# डॉ. लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिकः प्रो. हरिकेश सिंह

# सप्त क्रांति से ही संभव है समाज में परिवर्तनः कुलपति

अयोध्या, 23 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में लोहिया जयंती के अवसर पर "डॉ. लोहिया के विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की।

कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. लोहिया ने समाज में परिवर्तन हेतु सप्त क्रांति का आह्वान किया और गाँव, मंडल, प्रांत व केंद्र आधारित शासन व्यवस्था की परिकल्पना की। उन्होंने ग्रामीण आत्मनिर्भरता और मानवीय गरिमा पर आधारित विकास मॉडल पर बल दिया। इस अवसर पर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्य अतिथि प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और भारत की ज्ञान परंपरा को समझने के लिए पदयात्रा आवश्यक है। उन्होंने सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक चेतना पर जोर दिया।

कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डीन कला संकाय प्रो. मृदुला मिश्रा ने दिया। संयोजक प्रो. आशुतोष सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, प्रो. आर.एन. राय, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. के.के. वर्मा, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, उपकुलसचिव डॉ. रीमा श्रीवास्तव, डॉ. अवध नारायण, डॉ. राजेश कुमार सिंह, इंजीनियर विनीत कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

**अवध विवि में लोहिया जयंती कार्यक्रम में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, मुख्य अतिथि प्रो. हरिकेश सिंह को सम्मानित करते हुए।**

# “कोविदार”

01 मार्च–31 मार्च, 2026, चैत्र कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत्–2082




# उच्च स्कोर के लिए साक्ष्यों की गुणवत्ता पर ध्यान दें: कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह

## नैक मूल्यांकन को लेकर अवध विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक

अयोध्या, 24 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य नैक मूल्यांकन के विभिन्न मानदंडों के अंतर्गत चल रही तैयारियों की प्रगति का आकलन करना था।

बैठक में एट्रीब्यूट एक से लेकर ग्यारह तक के विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से की गई। इसमें प्रमुख रूप से रिसर्च पब्लिकेशन, रिसर्च क्वालिटी, फोटोग्राफ कैप्शन, रिसर्च लैब, टीचिंग लैब, पीएचडी अवार्ड, रिसर्च फैलोशिप, कंसल्टेंसी, एक्सटर्नल रिसर्च ग्रांट, वेब ऑफ साइंस, उन्नत भारत अभियान एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) से संबंधित गतिविधियों का परीक्षण किया गया।

कुलपति ने निर्देश दिया कि सभी साक्ष्यों को प्रमाणित एवं निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि नैक मूल्यांकन में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मानदंड का सूक्ष्म परीक्षण आवश्यक है। सभी संयोजकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने–अपने डेटा को अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी प्रमाणित पत्रों के साथ संलग्न करें।

अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य सभागार में नैक मूल्यांकन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. अनुप कुमार, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, डॉ. पी.के. द्विवेदी, डॉ. अवध नारायण, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. नवीन वर्मा, डॉ. अनुराग सिंह, सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

# लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिक, अवध विवि के संगोष्ठी में मंथन

अयोध्या, 24 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग में डॉ. लोहिया की 116वीं जयंती के अवसर पर "डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों की प्रासंगिकता" विषयक संगोष्ठी का तकनीकी सत्र सेमिनार हॉल में संपन्न हुआ। सत्र की अध्यक्षता प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने की।

"डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों की प्रासंगिकता" विषयक संगोष्ठी में प्रतिभागी एवं उपस्थित प्राध्यापक।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. श्रीवास्तव ने लोहिया के आर्थिक विचारों के संदर्भ में महिलाओं की सहभागिता पर जोर देते हुए कहा कि समावेशी विकास के लिए महिला सशक्तिकरण अनिवार्य है। प्रो. प्रिया कुमारी ने लोहिया के 'सोलह आने बनाम तीन आने' के सिद्धांत को वर्तमान सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य में प्रासंगिक बताया।

डॉ. अलका श्रीवास्तव ने महिलाओं के उत्थान पर केंद्रित अपने शोध पत्र में आधी आबादी को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता बताई। डॉ. मीनू वर्मा ने 'चौखंबा राज्य' की अवधारणा पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. रीमा सिंह ने राम कथा एवं रामायण मेला के सांस्कृतिक आयामों पर विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. सरिता द्विवेदी ने विशेषज्ञों के शोध पत्रों की विवेचना करते हुए लोहिया के आध्यात्मिक समाजवाद को समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण बताया। डॉ. श्याम बहादुर और डॉ. अखंड प्रताप सिंह ने क्रमशः सामाजिक नीतियों और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में लोहिया के विचारों को प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्र में कुल 18 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। मॉडरेटर की भूमिका डॉ. सरिता द्विवेदी ने निभाई तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अलका श्रीवास्तव ने किया।

# अयोध्या की वायु गुणवत्ता पर शोध को आईसीएसएसआर की स्वीकृति

अयोध्या, 17 मार्च 2026। अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा एक महत्वपूर्ण शोध परियोजना के लिए प्रोविजनल स्वीकृति मिली है। "अयोध्या में परिवेशी वायु गुणवत्ता का समेकित आकलन और स्वास्थ्य जोखिम विश्लेषण" विषय पर आधारित इस परियोजना को 24 माह के लिए मंजूरी दी गई है तथा 16 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है।

इस शोध का उद्देश्य अयोध्या नगर की वायु गुणवत्ता का वैज्ञानिक अध्ययन कर उसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन करना है। अध्ययन में प्रदूषण के स्तर और उसके जनजीवन पर असर का विश्लेषण कर नियंत्रण के उपाय सुझाए जाएंगे।

डॉ. चौधरी ने बताया कि यह कार्य कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे अयोध्या में वायु प्रदूषण और उसके स्वास्थ्य प्रभावों का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है, जो नीति–निर्माताओं और प्रशासन के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस उपलब्धि पर अधिकारियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों में हर्ष है।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

## नई शिक्षा नीति से शोध और उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावाः कुलपति

## हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग से आत्मनिर्भर बनेंगे छात्रः डॉ. आर.सी. अग्रवाल

### अवध विवि में नई शिक्षा नीति में बहुविषयक शिक्षा पर जोर, कृषि से जुड़े नवाचार पर चर्चा

अयोध्या, 17 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में आयोजित गोष्ठी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक एवं प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की।

डॉ. अग्रवाल ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए कृषि को अन्य विज्ञान एवं प्रबंधन के साथ जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने डिग्री कार्यक्रमों में हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग और इंटर्नशिप को अनिवार्य बनाने पर जोर दिया, जिससे छात्र रोजगार एवं स्टार्टअप के लिए सक्षम बन सकें।

उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकार एवं कृषि शिक्षा में नवाचार को महत्वपूर्ण

अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य सभागार में आयोजित गोष्ठी में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल संबोधित करते हुए।

पादप किस्म संरक्षण को सरल और पारदर्शी बनाने की आवश्यकता भी बताई।

उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बताया तथा छोटे एवं मध्यम किसानों को अवसर देने की बात कही। साथ ही छात्रों में मोटिवेशन बढ़ाने पर बल दिया, जिससे आत्मविश्वास और शोध गतिविधियों में वृद्धि हो सके।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति में बहुविषयक शिक्षा भविष्य की दिशा है, जो शोध और उद्यमिता को बढ़ावा देगी। उन्होंने छात्रों के समग्र विकास और स्किल आधारित शिक्षा पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. सी. के. मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. एस.के. रायजादा, प्रो. तुहिना वर्मा, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. गीतिका श्रीवास्तव, डॉ. संजय चौधरी, इं. विनय कुमार सिंह, इं. आर.के. सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

## राष्ट्रपति के स्वागत में सजी अयोध्या, अवध विवि के छात्रों ने दी भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति

अयोध्या, 19 मार्च 2026। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के एक

एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के स्वागत में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते अवध विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं।

दिवसीय दौरे पर गुरुवार को अयोध्या पहुंचने के साथ ही पूरी धर्मनगरी उत्सव के रंग में रंगी नजर आई। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट के गेट संख्या–3 पर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के कुशल मार्गदर्शन में छात्र–छात्राओं ने भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर आगमन को ऐतिहासिक बना दिया।

एयरपोर्ट से लेकर श्रीराम मंदिर तक का मार्ग एक जीवंत सांस्कृतिक गलियारे में परिवर्तित हो गया था। जगह–जगह पारंपरिक सजावट, रंग–बिरंगी झांकियां, लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक दृश्य अयोध्या की समृद्ध परंपरा और विरासत को दर्शा रहे थे। पूरा वातावरण उत्सवमय और भव्यता से परिपूर्ण दिखाई दे रहा था।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने पारंपरिक लोक नृत्यों के माध्यम से अवध की सांस्कृतिक छटा बिखेरी। प्रस्तुतियों में लोकगीत, पारंपरिक वेशभूषा और नृत्य की विविध शैलियों का समावेश रहा, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्राचीन परंपरा और आधुनिक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने न केवल कार्यक्रम को जीवंत और आकर्षक बनाया, बल्कि अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन ने यह भी दर्शाया कि युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हुई है और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक के निर्देशन में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। व्यवस्था संचालन में मुख्य नियंता प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. शैलेंद्र वर्मा, प्रो. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. अवध नारायण, डॉ. प्रवीण राय, डॉ. निमिष मिश्र एवं प्रवीण मिश्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विवि के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

# “कोविदार”

01 मार्च–31 मार्च, 2026, चैत्र कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत्–2082




# ”स्वयं से पहले आप“ से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण: कुलपति डॉ. बिजेन्द्र

## अवध विवि के एनएसएस शिविर का समापन, स्वयंसेवा के मूल मंत्र पर दिया गया जोर

अयोध्या, 30 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई प्रथम के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन डाभासेमर स्थित कंपोजित विद्यालय में किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया।

कुलपति ने कहा कि एनएसएस का मूल मंत्र ”स्वयं से पहले आप“ केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन जीने का दर्शन है। जब युवा समाज सेवा का संकल्प लेते हैं, तभी सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि संवेदनशील नागरिक बनाना है। एनएसएस छात्रों को समाज की वास्तविकताओं से जोड़ता है और उनके व्यक्तित्व का विकास करता है।

उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक जब गांवों में स्वच्छता, साक्षरता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाते हैं, तो वे समाज के साथ–साथ स्वयं को भी सशक्त बनाते हैं। शिविर से छात्रों में राष्ट्रीय चेतना, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

डाभासेमर स्थित विद्यालय में एनएसएस शिविर समापन समारोह में प्रतियोगिता के विजयी बच्चों को पुरस्कृत करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने सात दिवसीय शिविर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को कुलपति ने पुरस्कृत किया। संचालन रुचि पांडेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रभात कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य शालिनी पांडेय, डॉ. मोहन तिवारी, डॉ. दिनेश पांडेय, स्वतंत्र त्रिपाठी, पल्लव पांडेय, सीमा तिवारी, प्रशांत सिंह सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

# भाषा और संचार कौशल से बनता है बेहतर पत्रकार: प्रो. शेष गिरि राव

## पत्रकारिता में करियर पर संगोष्ठी, विशेषज्ञों ने दिए सफल भविष्य के टिप्स

अयोध्या, 30 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में ”पत्रकारिता में करियर“ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शेष गिरि राव रहे।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में आयोजित संगोष्ठी में विद्यार्थियों को संबोधित करते मुख्य वक्ता प्रो. शेष गिरि राव।

प्रो. राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में सफल करियर के लिए मजबूत संचार कौशल और भाषा पर पकड़ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सलाह दी कि छात्र–छात्राएं कम से कम दो भाषाओं के समाचार पत्रों का नियमित अध्ययन करें, जिससे उनकी अभिव्यक्ति क्षमता और विश्लेषण कौशल में वृद्धि हो सके।

उन्होंने कहा कि मीडिया के विद्यार्थियों के लिए केवल पारंपरिक पत्रकारिता ही नहीं, बल्कि डिजिटल मीडिया, कंटेंट राइटिंग, जनसंपर्क और अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक संभावनाएं हैं। इसके लिए जरूरी है कि विद्यार्थी अपने कौशल का निरंतर विकास करें और अपने विचारों को व्यावहारिक रूप में लागू करें।

विभाग के समन्वयक प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि एक व्रत है, जिसके लिए समर्पण और निरंतर अध्ययन आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षितिज द्विवेदी ने दिया।

इस अवसर पर प्रो. सिसिंटी कृष्णवेनी, डॉ. आर.एन. पांडे, सुभाष सिंह, शरद यादव, लालजी मौर्य, मानसी यादव, हर्षिता पांडे, प्रिंस, नीलेश्वर पाण्डेय, विशाखा पाठक, श्रिया मौर्या, रिंका वर्मा, निहारिका सिंह, शांभवी गुप्ता, नीरज मौर्य, दीप गोपाल मिश्रा, श्रृष्टि सोनी, श्रिया सेन सहित अनेक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

# अवध विवि की डॉ. गीतिका श्रीवास्तव को अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि

## एआई शोध में बेस्ट पेपर अवॉर्ड, कोडिंग चैलेंज में फर्स्ट रनर–अप

अयोध्या, 18 मार्च 2026। अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की सह आचार्य डॉ. गीतिका श्रीवास्तव ने जापान के हकोडेटे, होक्काइडो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

”ऐक्टिविटी एंड बिहेवियर कंट्रोल चैलेंज 2026“ के अंतर्गत आयोजित ”मल्टीमॉडल अपर लिम्ब मूवमेंट इंटेंट डिटेक्शन चैलेंज“ में उनकी टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बेस्ट पेपर अवॉर्ड प्राप्त किया, साथ ही कोडिंग श्रेणी में फर्स्ट रनर–अप स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए टीम को नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन आईईईई और कतर विश्वविद्यालय के मशीन लर्निंग ग्रुप द्वारा किया गया था, जिसमें 23 देशों के 157 शोधकर्ताओं ने भाग लिया। इस शोध का उद्देश्य मस्तिष्क के जैव–संकेतों के माध्यम से मानव अंगों की गति को पहचानने हेतु उन्नत एआई मॉडल विकसित करना है।

उन्होंने बताया कि यह तकनीक कृत्रिम अंग, पुनर्वास रोबोटिक्स और मानव–रोबोट इंटरफेस जैसे क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध होगी। वर्तमान में उनके नेतृत्व में 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की शोध परियोजनाएं संचालित हैं।

इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. गंगाराम मिश्र सहित विभागीय शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने बधाई दी।

# विकसित भारत 2047 पर पोस्ट–बजट वेबिनार, पीएम मोदी ने किया संबोधित

## शिक्षा व कौशल विकास को बढ़ावा, 5 नए विश्वविद्यालय टाउनशिप की घोषणा

अयोध्या, 09 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को केंद्र में रखकर पोस्ट–बजट वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया।

वेबिनार का विषय "सबका साथ, सबका विकासः लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना–शिक्षा, कौशल और विश्वविद्यालय टाउनशिप" रहा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और कौशल विकास को सुदृढ़ करने के लिए इस वर्ष ₹1.39 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.27 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए देश में 5 नए विश्वविद्यालय टाउनशिप स्थापित किए जाएंगे, जो प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक केंद्रों के निकट होंगे।

इन टाउनशिप में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, स्टार्टअप्स के लिए इनक्यूबेशन सेंटर तथा आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे छात्रों को उद्योग से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही, हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल स्थापित करने और प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप को 10,000 स्कॉलर्स तक विस्तारित करने की भी घोषणा की गई। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए एस्ट्रोफिजिक्स और एस्ट्रोनॉमी के क्षेत्र में 4 नए टेलिस्कोप इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किए जाएंगे।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इस वेबिनार का संयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया।

अवध विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते मेयर गिरीशपति त्रिपाठी, प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी एवं अन्य विद्वान।

इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, इंजीनियर, प्रो. जी.आर. मिश्र, प्रो. के.के. वर्मा, प्रो. फर्रुख जमाल, डॉ. अवध नारायण, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. विनीत सिंह, इंजीनियर परितोष त्रिपाठी, डॉ. मनीष कुमार सिंह, इंजीनियर नवीन पटेल, इंजीनियर शांभवी शुक्ला, आशीष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

## प्री–पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा शुरू, पहले दिन 27 विषयों की परीक्षा

### कड़ी निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से हुई परीक्षा, तीन परीक्षार्थी अनुपस्थित

अयोध्या, 09 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय

प्री–पीएचडी कोर्स वर्क सत्र 2023–24 की परीक्षा नवीन परिसर स्थित तुलसी भवन में प्रारंभ हुई। प्रथम दिवस दो पालियों में 27 विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 225 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 03 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार की परीक्षा सकुशल संपन्न कराई जा रही है। प्रथम पाली में "रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स" तथा द्वितीय पाली में "कंप्यूटर एप्लीकेशन" विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से हुई।

परीक्षा समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षार्थियों की सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया गया। साथ ही अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अगले दिन तृतीय प्रश्नपत्र की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

## 9 से शुरू होगी प्री–पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा, तैयारियां पूरी

अयोध्या, 07 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लाहिया अवध विश्वविद्यालय में प्री–पीएचडी कोर्स वर्क सत्र 2023–24 की परीक्षा 9 व 10 मार्च को आयोजित होगी। नवीन परिसर स्थित तुलसी भवन में होने वाली परीक्षा में 27 विषयों के 225 परीक्षार्थी शामिल होंगे। 9 मार्च को दो पालियों में तथा 10 मार्च को एक पाली में परीक्षा संपन्न होगी। प्रशासन ने पारदर्शी व शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

## महिला सशक्तिकरण पर निबंध प्रतियोगिता, छात्रों ने रखे विचार

### समानता और अधिकारों पर केंद्रित रहे विद्यार्थियों के लेख

अयोध्या, 09 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के विधि विभाग एवं कामता प्रसाद सुंदर लाल साकेत महाविद्यालय, अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, महिला अधिकारों तथा समाज में महिलाओं की भूमिका जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उनकी बौद्धिक एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों ने महिलाओं की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और सशक्तिकरण के उपायों पर सारगर्भित विचार रखे।

इस अवसर पर विधि संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार राय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण

किसी भी प्रगतिशील समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि समानता और न्याय तभी संभव है जब महिलाओं को शिक्षा और अवसरों में बराबरी मिले।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और ऐसी गतिविधियों को आवश्यक बताया। प्रतियोगिता के परिणाम अगले सप्ताह घोषित किए जाएंगे तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर विधि विभाग एवं महाविद्यालय के शिक्षकगण, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र–छात्राएं एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

## हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट पर विशेषज्ञ व्याख्यान, विद्यार्थियों को मिला मार्गदर्शन

## अनुशासन और संचार कौशल से बनता है सफल करियरः रणविजय सिंह

अयोध्या, 10 मार्च, 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय

हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट पर आयोजित व्याख्यान में विद्यार्थियों को संबोधित करते मुख्य वक्ता रणविजय सिंह।

प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट के विद्यार्थियों के लिए उद्योग विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता होटल पार्क रेडिशन, अयोध्या के जनरल मैनेजर रणविजय सिंह रहे।

रणविजय सिंह ने विद्यार्थियों को हॉस्पिटैलिटी उद्योग के वर्तमान परिदृश्य, रोजगार के अवसरों और ग्राहक सेवा की गुणवत्ता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सफलता के लिए अनुशासन, व्यवहार कुशलता, प्रभावी संचार कौशल और टीम वर्क अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कौशल को निरंतर विकसित करने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी।

विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को उद्योग से जोड़ने और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने में सहायक होते हैं। उन्होंने छात्रों को विशेषज्ञों के अनुभवों से सीख लेकर अपने करियर को मजबूत बनाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि इंडस्ट्री–एकेडेमिया संवाद से विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलता है, जो उनके भविष्य के लिए उपयोगी है। अंत में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञ से प्रश्न पूछकर अपने करियर से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त किया।

इस अवसर पर डॉ. आशुतोष पांडेय, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अंशुमान पाठक सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

## कड़ी निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से हुई प्री–पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा, तीन रहे अनुपस्थित

अयोध्या 10 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की प्री–पीएचडी कोर्स वर्क सत्र 2023–24 की परीक्षा का समापन नवीन परिसर स्थित तुलसी भवन में संपन्न हो गया। द्वितीय दिवस पर रिसर्च मेथडोलॉजी विषय की परीक्षा प्रातः 9 बजे से 12 बजे के मध्य आयोजित की गई, जो शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि कुलपति के निर्देश. नुसार 27 विषयों की परीक्षा सकुशल कराई गई। इस परीक्षा में कुल 225 परीक्षार्थियों में से 3 अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि दोनों दिनों में परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से आयोजित की गई।

परीक्षा समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए अंतिम दिन भी परीक्षार्थियों की सघन तलाशी ली गई। इसके बाद ही उन्हें केंद्र में प्रवेश दिया गया।

उन्होंने बताया कि परीक्षा के दौरान अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया, जिससे परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष और सुचारु रूप से संचालित हो सकी।

## एमीफोरिया–2026 में अवध विश्वविद्यालय का जलवा, फैशन शो में प्रथम स्थान

## "एरा आइकन्स" टीम बनी विजेता, छात्रों ने बिखेरा फैशन का रंग

अयोध्या, 11 मार्च 2026। लखनऊ स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में

एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित फैशन शो में विजेता ट्रॉफी के साथ अवध विश्वविद्यालय की "एरा आइकन्स" टीम।

आयोजित एमीफोरिया–2026 के अंतर्गत फैशन शो प्रतियोगिता में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के फैशन डिजाइनिंग के छात्र–छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की थीम "एफर्टलेस दीवा" रही।

अवध विश्वविद्यालय की टीम–1 "एरा आइकन्स" ने हॉलीवुड थीम पर आधारित आकर्षक प्रस्तुति देकर विजेता का खिताब हासिल किया। इस टीम में सोनाक्षी, रुपाली वर्मा, अक्षत जायसवाल, अमीना रोजी, आकांक्षा उपाध्याय और पल्लवी सिंह शामिल रहीं। वहीं टीम–2 "ऑरा ऑफ लीजेंड्स" ने बॉलीवुड थीम पर प्रस्तुति देते हुए सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस टीम में इकरा बानो, आयुषी यादव, शुभम शर्मा, ललिता वर्मा, सृजिंका यादव और विभा चौधरी शामिल रहे।

प्रतिभागियों को श्रीमती विनीता मोटवानी पटेल, शालिनी पाण्डेय और रत्नेश यादव के मार्गदर्शन में तैयार किया गया। प्रतियोगिता में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ सहित विभिन्न संस्थानों की टीमों ने भाग लिया।

इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के दिशा–निर्देशन एवं समन्वयक प्रो. अनूप कुमार के मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक सहित शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने हर्ष व्यक्त किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## अवध विवि के एनएसएस शिविर में दंत परीक्षण कैंप, 103 बच्चों की जांच

अयोध्या, 25 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई प्रथम के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन ग्राम डाभासेमर के प्राथमिक

डाभासेमर के विद्यालय में आयोजित दंत परीक्षण कैंप में बच्चों की जांच करते चिकित्सक।

विद्यालय में दंत परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण व प्रार्थना के बाद आयोजित इस कैंप में प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के 103 छात्र–छात्राओं के दांतों की जांच की गई।

डॉ. नारायण दत्त मिश्रा एवं डॉ. सौरभ आनंद ने परीक्षण किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों को मुख स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा ब्रश करने की सही विधि बताई गई। कई बच्चों में कैविटी व दांतों की समस्या पाई गई, जिन्हें उचित सलाह दी गई। इस दौरान बच्चों को टूथब्रश व टूथपेस्ट वितरित किए गए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभात सिंह ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य शालिनी पांडे, दिनेश कांत पांडे, प्रतिमा तिवारी, रोली यादव, स्वतंत्र त्रिपाठी, पल्लव पांडे, सीमा तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

"कोविदार"

01 मार्च–31 मार्च, 2026, चैत्र कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत्–2082



## अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं को पोषण का संदेश

# संतुलित आहार से ही स्वस्थ जीवन संभवः डॉ. अंजली सिंह

अयोध्या, 08 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा ग्राम माधवपुर, मसौधा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "गिव टू गेन" थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं और बेटियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सह–समन्वयक डॉ. मनीषा यादव द्वारा स्वागत एवं रूपरेखा प्रस्तुत करने से हुई। समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने महिलाओं के लिए आवश्यक पोषक तत्वों पर प्रकाश डालते हुए संतुलित आहार के महत्व को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि आहार विशेषज्ञ डॉ. अंजली सिंह ने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित भोजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं के लिए प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन और जिंक जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की जानकारी देते हुए उनके स्रोतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संतुलित आहार से ही शरीर और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहते हैं।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के तहत लक्ष्मी शर्मा ने स्वागत गीत, काजल पटेल ने कविता, संगीता गौड़ ने गीत तथा रिया पटेल ने गायत्री मंत्र प्रस्तुत किया। अंशिका वर्मा, मानवी वर्मा, शिवानी, अर्पित वर्मा, शिवानी विश्वकर्मा व अवंतिका शर्मा ने भी प्रस्तुति दी।

माधवपुर में आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूक करती डॉ. अंजली सिंह एवं महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ की सदस्यगण।

अंत में प्रतिभागियों को पुरस्कृत एवं सभी महिलाओं को उपहार वितरित किए गए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर गायत्री वर्मा, डॉ. सोनी तिवारी, डॉ. सरिता सिंह, ग्राम प्रधान ऋषिकेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

## अवध विवि में राष्ट्र निर्माण में पर्यटन की भूमिका पर व्याख्यान

## पर्यटन से अर्थव्यवस्था व रोजगार को मिलता है बलः प्रो. लवकुश मिश्र

"राष्ट्र निर्माण में पर्यटन की भूमिका" विषय पर आयोजित व्याख्यान में विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. लवकुश मिश्र।

अयोध्या, 13 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा एमबीए (टूरिज्म मैनेजमेंट) के विद्यार्थियों के लिए "राष्ट्र निर्माण में पर्यटन की भूमिका" विषय पर व्याख्यान का आयोजन कुल. पति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के प्रो. लवकुश मिश्र रहे।

अपने व्याख्यान में प्रो. मिश्र ने कहा कि पर्यटन किसी भी देश की आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और स्थानीय रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत जैसे विविध सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों से समृद्ध देश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने धार्मिक, सांस्कृतिक, ग्रामीण और विरासत पर्यटन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन उद्योग आज देश की अर्थव्यवस्था का एक सशक्त स्तंभ बन चुका है और विद्यार्थियों को इसमें नवाचार, शोध व उद्यमिता पर ध्यान देना चाहिए।

संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने करियर अवसरों और चुनौतियों से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. मिश्र ने विस्तार से उत्तर दिया। अंत में समन्वयक डॉ. महेंद्र पाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ0 रामजी सिंह, डॉ0 निमिष मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

## सेवा, जागरूकता और समर्पण के साथ एनएसएस शिविर का शुभारंभ

अयोध्या, 24 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई प्रथम के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ गोद लिए गांव डाभासेमर में किया गया। समाज कार्य विभाग, दीक्षा भवन में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. मृदुला मिश्रा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया।

प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि एनएसएस का उद्देश्य सामुदायिक सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करना है। वहीं प्रो. मृदुला मिश्रा ने स्वयंसेवकों से अनुशासन व समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज पटेल ने एनएसएस की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि शिविर में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर एवं महिला–बाल कल्याण जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। संचालन डॉ. प्रभात कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर पल्लव पांडे, स्वतंत्र त्रिपाठी, सीमा तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

दीक्षा भवन में एनएसएस विशेष शिविर का शुभारंभ करते अतिथि एवं उपस्थित स्वयंसेवक।

# "कोविदार"

01 मार्च–31 मार्च, 2026, चैत्र कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत्–2082




## कैंपस बुलेटिन

- अयोध्या, 26 मार्च 2026। एनएसएस शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने रैली निकाल ग्रामीणों को विकसित भारत 2047 के प्रति जागरूक किया, साथ ही योग, सर्वेक्षण व परिचर्चा आयोजित हुई।
- अयोध्या, 27 मार्च 2026। एनएसएस शिविर के चौथे दिन स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा साइबर सुरक्षा व सड़क सुरक्षा पर स्वयंसेवकों को जागरूक किया गया।
- अयोध्या, 28 मार्च 2026। एनएसएस शिविर के पांचवें दिन विद्यालय में निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता हुई, साथ ही डिजिटल मीडिया व बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ पर जागरूकता दी गई।

## अवध विवि के एनएसएस शिविर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

अयोध्या, 29 मार्च 2026। अवध विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई प्रथम के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन डाभासेमर गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वयंसेवकों ने प्रार्थना सभा व ध्वजारोहण के बाद पाकड़ और शमी के पौधे लगाए तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ग्रामवासियों को सौंपी। प्राथमिक विद्यालय परिसर में भी पौधरोपण किया गया। बौद्धिक सत्र में

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज पटेल ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रकृति की रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने कचरा कम करने, अधिक पेड़ लगाने और ऊर्जा संरक्षण की आदतें अपनाने का आह्वान किया। संचालन डॉ. प्रभात कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर स्वतंत्र त्रिपाठी, पल्लव पांडेय ,सीमा तिवारी, प्रशांत सिंह, रुचि पांडेय, श्रेया तिवारी, संजय मीणा, काजल, पारुल मिश्रा आदि ने सक्रिय भागीदारी किया।

# ताइक्वांडो में अवध विश्वविद्यालय की बेटियों का दम, जीते सिल्वर व ब्रॉन्ज

अयोध्या, 22 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। उड़ीसा के बालासोर स्थित फकीर मोहन विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में 57 किलोग्राम भार वर्ग के क्योरगी इवेंट में मानसी विष्ट ने शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीता। वहीं 53 किलोग्राम भार वर्ग में गायत्री शुक्ला ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि खेलों में सफलता के लिए मानसिक तत्परता और तकनीकी कौशल का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है और विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद पदक के साथ खुशी जाहिर करतीं अवध विश्वविद्यालय की खिलाड़ी।

टीम के साथ कोच प्रमोद कुमार रहे। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह एवं क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

इस अवसर पर वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. एस.एस. मिश्रा, प्रो. दानपति त्रिपाठी, प्रो. जनमेजय तिवारी, प्रो. अमूल्य सिंह सहित अनेक शिक्षकों व खेल प्रेमियों ने खुशी व्यक्त की।

## "शैक्षणिक शोध संस्थानों के विकास में वित्तीय अनुदान का योगदान" विषयक विचार गोष्ठी

अयोध्या, 19 मार्च 2026। अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं ललित कला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "शैक्षणिक शोध संस्थानों के विकास में वित्तीय अनुदान का योगदान" विषय पर एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आशुतोष सिन्हा ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्रो. रंजू नारंग रहीं।

मुख्य अतिथि ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। प्रो. प्रिया कुमारी, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रीमा सिंह एवं डॉ. सरिता द्विवेदी ने विभिन्न संस्थानों से अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया और महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रो. विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. रंजू नारंग द्वारा यूपी–उत्तराखंड आर्थिक संघ के कॉरपस फंड हेतु 10 हजार रुपये का योगदान दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

## सतत पर्यटन से ही पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय विकास संभवः डॉ. अनुपमा

अयोध्या, 14 मार्च 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग में "सतत पर्यटन प्रथाएँ" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय की डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव रहीं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या जैसे धार्मिक शहर में पर्यटन के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संस्कृति और समुदाय की भागीदारी जरूरी है। सतत पर्यटन से संसाधनों की रक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने सतत और जिम्मेदार पर्यटन प्रबंधन पर जोर दिया। समन्वयक डॉ. महेंद्र पाल सिंह ने संतुलित विकास की आवश्यकता बताई।धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंशुमान पाठक ने किया।

इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार, डॉ. आशुतोष पांडेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।